संचार सामग्रियों के प्रयोग हेतु
मार्गदर्शिका

water for people
INDIA

ONE DROP

विषय-वस्तु

1. पृष्ठभूमि 5

2. पोस्टर 7

3. वॉल पेन्टिग 8

4. साइन बोर्ड 9

5. स्टैंडी 10

6. एफ–डायग्राम 11

7. फिलपबुक 12

8. फिल्म 13

9. विषय गीत (थीम सॉन्ग) 14

पृष्ठभूमि

संचार के विभिन्न माध्यम तथा सामग्री लोगों के व्यवहारों में परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वॉटर फॉर पीपल इंडिया ने शिवहर परियोजना के अन्तर्गत संचार सामग्रियों का एक पैकेज तैयार किया है। इस पैकेज में स्वच्छ पेयजल के स्रोत तथा उनका रखरखाव, पीने के पानी का भंडारण तथा घर में रखरखाव, शौचालय का नियमित प्रयोग, साबुन और पानी से हाथ धोना, स्कूल वाटसन कमिटी के कार्य तथा जिम्मेदारियां, व्यक्तिगत साफ–सफाई तथा माहवारी के दौरान साफ–सफाई, इन सभी विषयों में समुदाय तथा विद्यालय की भूमिका आदि से जुड़े विषयों पर पोस्टर, एफ–डायग्राम, वॉल पेन्टिग, फ्लिपबुक, स्टैंडी, साइन बोर्ड, फिल्म तथा थीम सॉन्ग जैसे प्रभावी संचार के माध्यम तथा सामग्री शामिल हैं।

इस मार्गदर्शिका का प्रयोग करते हुए सामुदायिक कार्यकर्ता (फील्ड फेसिलिटेटर एवं कम्यूनिटी मोबिलाईज़र) तथा अन्य संचारकर्ता प्रभावी तरीके से समुदाय के लोगों का जल, स्वच्छता एवं साफ–सफाई पर व्यवहार परिवर्तन कर सकेंगे।

पोस्टर

परिचय

पोस्टर संचार का महत्वपूर्ण साधन है। पोस्टर के द्वारा किसी भी जानकारी को अधिक से अधिक लोगों तक आसानी से पहुंचाया जा सकता है। इस परियोजना के अंतर्गत 7 पोस्टर बनाए गए हैं। पहले पोस्टर में चापाकल के चारों ओर चबूतरा बनाने की आवश्यकता और पेयजल के स्रोत से जुड़ी जरुरी बातों के बारे में बताया गया है। दूसरे पोस्टर में हर बार शौच के लिए शौचालय के ही उपयोग पर जोर दिया गया है। तीसरे पोस्टर में साबुन और पानी से हाथ धोने का महत्व बताया गया है। चौथे पोस्टर में पानी के बर्तनों को साफ और ढ़ककर रखने के बारे में बताया गया है। पांचवे, छठे और सातवे पोस्टर में वाटसन कमिटी के तीन उप कमिटी की जिम्मेदारियों को बताया गया है। जिसमें स्कूल में पेयजल से संबंधित साफ–सफाई, शौचालय की साफ–सफाई और व्यक्गित साफ–सफाई पर चर्चा की गई है।

उद्देश्य

इन पोस्टरों को बनाने का उद्देश्य समुदाय को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और स्वच्छता को अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

ये सभी पोस्टर गांव के स्कूल, आंगनवाड़ी केन्द्र आदि स्थानों पर लगाए जाएंगे। इनमें प्रेरणा और जानकारी देने वाले संदेश दिए गए हैं। इन पोस्टर का इस्तेमाल दीवारों पर लगाकर प्रदर्शन करने के साथ–साथ समुदाय के साथ चर्चा के लिए भी किया जा सकता है।

पोस्टर लगाते समय ध्यान रखने वाली मुख्य बातें

- पोस्टर ऐसी जगह पर लगाएं जहां उसे अधिक से अधिक लोग देख सकें।
- प्रयास करें कि पोस्टर का निचला सिरा दर्शक की आंख के स्तर पर रहे।
- दीवार में नमी न हो और पोस्टर बारिश के पानी से खराब न हों।
- ऐसी दीवार पर पोस्टर न लगाएं, जहां पहले से ही कई पोस्टर आदि लगे हों।
- पोस्टर के ऊपर पर्याप्त रोशनी हो ताकि लोग उस पर लिखे शब्दों व चित्रों को आसानी से देख सकें।

वॉल पेन्टिग

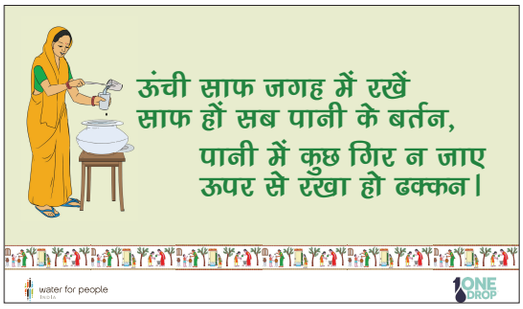

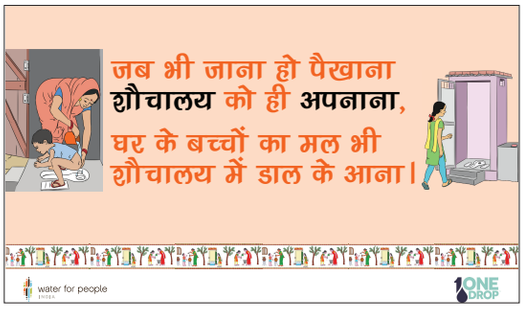

परिचय

वॉल पेन्टिग किसी भी सन्देश को सरल तरीके से बड़ी संख्या में लोगों तक सन्देश पहुंचाने के लिए दीवारों पर बनाई जाती है। परियोजना के अंतर्गत कुल 7 वॉल पेटिंग तैयार की गई है।

पहली वॉल पेन्टिग में चापाकल के चारो ओर पक्का चबूतरा बनाने और शौचालय का गड्ढ़ा चापाकल से दूर रखने के बारे में बताया गया है। दूसरी वॉल पेन्टिग में हर बार शौच के लिए शौचालय का इस्तेमाल करने पर जोर दिया गया है। तीसरी वॉल पेन्टिग में साबुन और पानी से हाथ धोने के बारे में बताया गया है। चौथी वॉल पेन्टिग में पानी के बर्तनों को साफ और ढककर रखने के बारे में बताया गया है। पांचवे वॉल पेन्टिग में शौचालय संबंधी साफ–सफाई के बारे में बताया गया है। छठे वॉल पेन्टिग में पेयजल की स्वच्छता के बारे में बताया गया है और सातवे वॉल पेन्टिग में व्यक्तिगत स्वच्छता के बारे में बताया गया है।

उद्देश्य

ये सभी वॉल पेटिंग स्वच्छता से संबंधित व्यवहारों के बारे में समुदाय को जागरुक करने के लिए बनाई गई हैं। इन्हें घरों, स्कूलों, आंगनवाड़ी केन्द्रों आदि की दीवारों पर लगाया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग इन संदेशों से फायदा उठाएं और अपने जीवन में बेहतर बदलाव ला सकें।

वॉल पेटिंग बनाते समय ध्यान रखने वाली मुख्य बातें

- वॉल पेंटिंग ऐसी दीवारों पर लगानी चाहिए, जहां अधिक से अधिक लोग इन्हें देख सकें।
- इतनी ऊंचाई पर लगाएं कि इसे बच्चे खराब न कर सकें। ध्यान रहे कि ऊंचाई इतनी अधिक भी न हो कि लोगों को इसे देखने में दिक्कत हो।
- ऐसी दीवार पर वॉल पेंटिंग न लगाएं, जहां सीलन हो, या बारिश के पानी से इसके खराब होने की संभावना हो। जहां अन्य वॉल पेटिंग बनी हों, वहां इन्हें न लगाएं।
- ऐसी दीवारों पर न बनाएं, जहां इसे देखने में कोई बाधा या रुकावट हो।

साइन बोर्ड

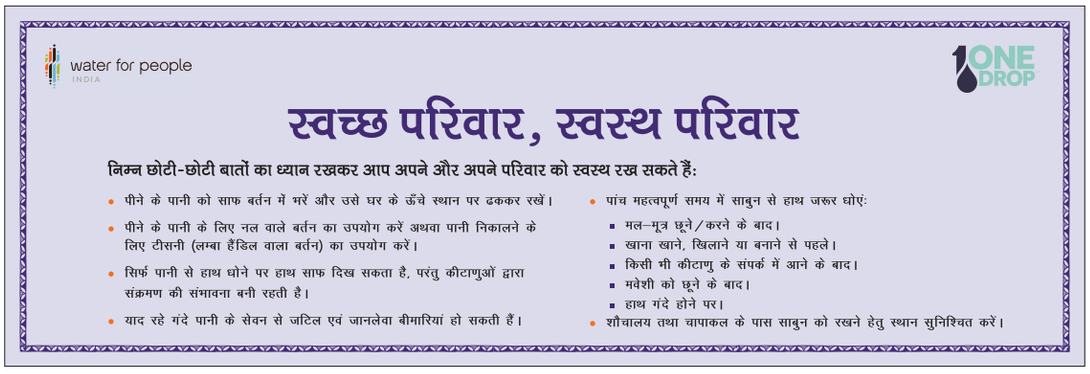

परिचय

शिवहर परियोजना में साइन बोर्ड को मैसेज बोर्ड भी कहते हैं और इसे सामुदायिक चापाकल के उपयोग के लिए बनाया गया है। इस परियोजना में दो प्रकार के साइन बोर्ड बनाए गए हैं। पहले मैसेज बोर्ड में चापाकल की तकनीकी जानकारी एवं रख–रखाव के बारे में बताया गया है और दुसरे में जल एवं स्वच्छता पर जरुरी जानकारी दी गयी है।

उद्देश्य

साइन बोर्ड का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों तक जानकारी का प्रचार–प्रसार करना है। दोनों साइन बोर्ड का उद्देश्य समुदाय को चापाकल के बारे में जानकारी देना है, ताकि समुदाय का प्रत्येक व्यक्ति साफ चापाकल का ही पानी पिए और स्वस्थ रहे। इन बोर्डों को सामुदायिक चापाकल पर लगाया जाएगा।

साइन बोर्ड लगाते समय ध्यान रखने वाली मुख्य बातें

- ये साइन बोर्ड परियोजना द्वारा बनाए गए सामुदायिक चापाकल के लिए हैं।
- इसे शेड पर इतनी ऊंचाई और इस तरह से लगाएं कि लोगों को देखने में दिक्कत न हो।
- इसमें लिखी हुई बातों से वाटर यूजर कमिटी के सदस्यों को अवगत कराएं ताकि वो अन्य को व्यवहार परिवर्तन के लिए प्रेरित करें।
- साइन बोर्ड की रख–रखाव की जिम्मेदारी वाटर यूजर कमिटी को दें।

स्टैंडी

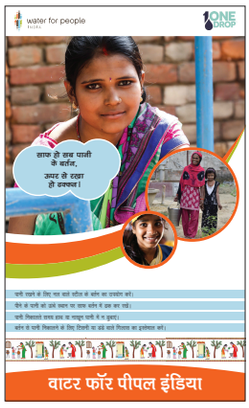

परिचय

स्टैंडी संचार का एक प्रभावशाली माध्यम है। इन्हें आसानी से एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाया जा सकता है। अधिकांश स्टैंडी को फोल्ड भी किया जा सकता है। यूं तो लोग इन्हें स्वयं ही देख और पढ़ सकते हैं, लेकिन इन्हें किसी व्यक्ति या समूह के साथ बातचीत करने या समझाने के लिए भी प्रयोग में लाया जा सकता है। परियोजना के अंतर्गत 4 स्टैंडी बनाई गई हैं। पहले स्टैंडी में चापाकल के चारों ओर चबूतरा बनाने की आवश्यकता और पेयजल के स्रोत से जुड़ी जरुरी बातों के बारे में बताया गया है। दूसरे स्टैंडी में हर बार शौच के लिए शौचालय के ही इस्तेमाल पर जोर दिया गया है। तीसरे स्टैंडी में साबुन और पानी से हाथ धोने का महत्व बताया गया है। चौथे स्टैंडी में पानी के बर्तनों को साफ और ढ़ककर रखने के बारे में बताया गया है।

उद्देश्य

प्रत्येक स्टैंडी किसी एक विषय पर आधारित होगी। इन्हें एम.डी.एस. शो, नुक्कड़ नाटक, फिल्म स्क्रीनिंग और दूसरे सामुदायिक कार्यक्रमों के दौरान उपयोग किया जा सकता है। दर्शक इन्हें देखकर स्वयं ही संबंधित संदेशों को समझ सकेंगे।

स्टैंडी लगाते समय ध्यान रखने वाली मुख्य बातें

- स्टैंडी को ऐसी जगह पर लगाएं जहां उसे अधिक से अधिक लोग देख सकें, और वह पढ़ने वाले पर अधिकतम प्रभाव छोड़ सके।
- स्टैंडी के ऊपर पर्याप्त रोशनी हो ताकि लोग उस पर लिखे शब्दों व चित्रों के आसानी से देख सकें, लेकिन ध्यान रखें कि रोशनी स्टैंडी के पीछे से न आ रही हो, इससे उस पर लिखित या चित्रित सन्देश साफ तरीके से दिख नहीं पायेंगे।
- यदि स्टैंडी हवा के दबाव से गिरने लगे तो किसी भी भारी वस्तु से उसे सहारा देकर लगाएं।
- स्टैंडी से समय–समय पर धूल आदि झाडते रहें।
- ध्यान रखें कि स्टैंडी धूल आदि से गंदी न हो, और बच्चे इसे फाड़ न दें।

एफ-डायग्राम

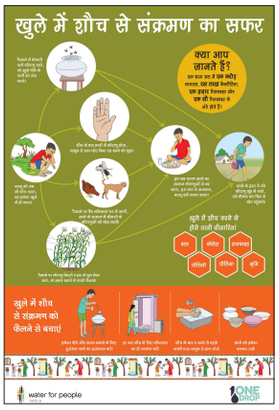

परिचय

इस कार्यक्रम के अंतर्गत एक एफ–डायग्राम बनाया गया है। इसमें गांव के एक किशोर 'बल्लू' की कहानी को चित्रों द्वारा दिखाया गया है। बल्लू प्रतिदिन शौच के लिए खुले में जाता है। उसके शौच पर बैठकर आई मक्खी बल्लू के खाने पर भी बैठती है और बल्लू फिर उसी खाने को खाता है। फलस्वरूप उसे दस्त लग जाता है। इस प्रकार बल्लू अक्सर बीमार ही रहता है। इस कहानी में बाहर खुले में शौच करने के नुकसान के बारे में बताया गया है तथा स्वच्छता के बारे में अन्य मुख्य संदेश भी दिए गए हैं।

उद्देश्य

इसमें विषय से संबंधित चित्रों के साथ स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारियां दी गई हैं, जैसे कि भोजन को हमेशा ढककर रखना, पानी को निकालने के लिए लंबे डंडे वाले गिलास का प्रयोग करना आदि।

एफ–डायग्राम का प्रयोग परियोजना के कार्यकर्ता तथा अन्य संचारकर्ता इस बात को समझाने के लिए कर सकते हैं कि किस प्रकार मल में मौजूद कीटाणु विभिन्न तरीकों से हमारे मुंह तक पहुंचते हैं और हमें बीमार करते हैं। चूंकि डायग्राम में चित्रों का प्रयोग किया गया है, इसलिए निरक्षर व्यक्ति भी मल में मौजूद कीटाणुओं के मुंह तक पहुंचने के चक्र को आसानी से समझ सकता है।

एफ-डायग्राम का प्रयोग करते समय ध्यान रखने वाली मुख्य बातें

- जहां तक संभव हो, पहले लोगों से डायग्राम को समझने और उसकी व्याख्या करने को कहें।
- इसके बाद डायग्राम की व्याख्या करते हुए सभी संदेशों को दोहराएं।

फ्लिपबुक

परिचय

इस कार्यक्रम के अंतर्गत एक फ्लिपबुक का निर्माण किया गया है। फ्लिप करने का मतलब होता है पलटना। फ्लिपबुक के पन्नों को पलटते हुए इस्तेमाल किया जाता है। आमतौर पर फ्लिपबुक के हर पृष्ठ पर एक तरफ चित्र दिए जाते हैं, जबकि दूसरी ओर वही चित्र छोटे आकार में बने रहते हैं। साथ में सन्देश भी लिखे रहते हैं।

इस फ्लिपबुक के तीन भाग हैं। पानी का सुरक्षित भंडारण तथा रखरखाव, शौचालय का नियमित उपयोग तथा साबुन–पानी से हाथ धोना। प्रत्येक भाग में उस विषय से सम्बंधित संदेशों को एक कहानी के माध्यम से समझाया गया है।

उद्देश्य

फ्लिपबुक का निर्माण आपसी संचार या छोटे समूहों में संचार करने में संचारकर्ताओं की मदद करने के लिए किया गया है। इसके द्वारा परियोजना के कार्यकर्ता या अन्य संचारकर्ता समुदाय या स्कूल में अपने संदेशों को बेहतर तरीके से पहुंचा पाएंगे। यह फ्लिपबुक चर्चा को रुचिकर बनाएगी और श्रोताओं की जिज्ञासा बढ़ाकर, उन्हें प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित करेगी, जिससे अनेक संदेह दूर होंगे तथा जानकारी बढ़ेगी।

फ्लिप बुक का प्रयोग करते समय ध्यान रखने वाली मुख्य बातें

- याद रखें कि फ्लिपबुक का प्रयोग बहुत बड़े समूह में नहीं किया जा सकता है। फ्लिपबुक के आकार के अनुसार अधिकतम 6 से 10 व्यक्तियों तक के साथ ही इसका प्रयोग किया जा सकता है।
- प्रयोग करने से पहले फ्लिपबुक को अच्छी तरह से पढ़ और समझ लें।
- फ्लिपबुक का प्रयोग प्रारम्भ करने से पहले सुनिश्चित कर लें कि सभी लोग आराम से बैठे हैं या नहीं।
- संदेश/कहानी वाले हिस्से को अपनी तरफ एवं चित्र वाले हिस्से को प्रतिभागियों की ओर रखें।
- चित्र दिखाकर पहले प्रतिभागियों को उसकी व्याख्या करने दें, जरुरत होने पर स्पष्टीकरण दें।
- क्रमबद्ध तरीके से चर्चा को आगे बढ़ायें।
- महत्वपूर्ण संदेशों पर जोर दें।
- दर्शकों का ध्यान और भागीदारी बढ़ाएं।

फिल्म

परिचय

परियोजना के अंतर्गत 3 फिल्में बनाई गई हैं। इन फिल्मों में रोचक तरीके से स्वच्छता से सम्बंधित संदेशों को प्रस्तुत किया गया है। इन फिल्मों के बीच में चर्चा के लिए अंतराल दिया गया है। इस दौरान स्क्रीन पर फिल्म की कहानी से सम्बंधित कुछ प्रश्न उभरेंगे। परियोजना के कार्यकर्ता या अन्य संचारकर्ता इन प्रश्नों को पूछकर दर्शकों के साथ चर्चा करेंगे।

उद्देश्य

फिल्में व्यवहार परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। प्रोजेक्टर और टीवी के साथ–साथ इन फिल्मों को मोबाइल पर भी देखा/दिखाया जा सकता है।

फिल्म दिखाते समय ध्यान रखने वाली मुख्य बातें

- यन्त्रों, तारों आदि को जांच लें।
- बिजली, जेनरेटर को जांच लें।
- पहले फिल्म देखकर घटनाक्रम याद कर लें।
- पहले से तय कर लें कि कहां पर फिल्म रोकनी है।
- फिल्म दिखाने के दौरान माहौल को शांत रखने की कोशिश करें, ताकि बैठक सुचारू रूप से चल सके।
- प्रारम्भ में चर्चा करते हुए माहौल बनाएं तथा फिल्म प्रदर्शन का उद्देश्य बताएं।
- सुनिश्चित करें कि फिल्म दिखाते समय आवाज इतनी तेज़ होनी चाहिए ताकि दर्शक आसानी से सुन सकें।
- ऐसे स्थान पर प्रदर्शन करें, जहां अधिक से अधिक दर्शक इसे देख सकें।
- चर्चा के लिए दिए गए अंतराल में स्क्रीन पर उभरते प्रश्नों को पूछकर दर्शकों के साथ चर्चा करें।
- अन्त में फिल्म के बारे में चर्चा करते हुए मुख्य संदेशों को दोहराएं।

थीम सॉन्ग

परिचय

गीत हमारी सांस्कृतिक परम्परा के अभिन्न अंग हैं। भारत में गीतों के द्वारा सामाजिक संदेशों के प्रसार के कई सफल उदाहरण हैं। परियोजना के अन्तर्गत एक विस्तृत गीत का निर्माण किया गया है। इसमें परियोजना से जुड़े विभिन्न संदेशों को विस्तार में बताया गया है।

उद्देश्य

सामुदायिक कार्यकर्ता इस गीत को अपनी बैठक के दौरान विभिन्न माध्यम (फोन पर/स्वयं गाकर या बैठक में मौजूद प्रतिभागियों को गाने के लिए कहकर) से सुनाएंगे। इस गीत को इसलिए बनाया गया है ताकि प्रतिभागियों को बैठक में रूचि आए और वे गीत के माध्यम से स्वच्छता से जुड़ी बातों को याद रख सकें, साथ ही अपने जीवन में उन बातों को अपना पाएं।

उक्त गीत का कई प्रकार से उपयोग किया जा सकता है। एक प्रकार से यह परियोजना गीत (Project Anthem) है। परियोजना के विभिन्न कार्यक्रमों का प्रारम्भ इसके कुछ अंशों को गाकर किया जा सकता है।

इसके अतिरिक्त इसे परियोजना के संदेशों को याद रखने तथा तत्काल प्रशिक्षण के लिए भी प्रयोग में लाया जा सकता है।

गीत गाते/सुनाते समय ध्यान रखने वाली मुख्य बातें

- अच्छा तो यह है कि कोई एक व्यक्ति गीत की एक–एक पंक्ति को गाएं और अन्य लोग उसे दोहराते जाएं।
- यदि किसी समूह के बीच गीत पहली बार गाया या सुनाया जा रहा है, तो गीत प्रारम्भ करने से पहले गीत का उद्देश्य भी बताएं।
- प्रशिक्षण देने या सन्देश याद दिलाने के लिए गीत का एक–एक अंश गाते जाएं, और उस पर चर्चा करते जाएं। अच्छा हो कि सुनने वाले व्यक्ति से ही गीत की व्याख्या करने को कहा जाए।
- गीत का प्रत्येक अंश एक तरह के सन्देश देता है. किसी एक तरह के सन्देश दोहराने के लिए केवल संबंधित अंश को भी सुनाया जा सकता है।
- गीत की धुन सरल होनी चाहिए, ताकि इसे सभी लोग आसानी से गा सकें।
- गीत गाने और सुनने वाले सभी लोगों को प्रोत्साहित करें।

थीम सॉन्ग के बोल

हर घर में नल का जल
या फिर हो गहरा चापाकल
शौचालय हों, हाथ साफ हों
गांव बनें सब सुन्दर, निर्मल

गांव बनें सब सुन्दर, निर्मल, साफ–सफाई–सेहत पाएं
देश में और दुनिया में अपने, शिवहर की पहचान बनाएं

खतरनाक भी हो सकता है
कम गहरा और उथला पानी
केवल इस्तेमाल में लाना
गहराई से निकला पानी

नल का या फिर चापाकल का, जल ही इस्तेमाल में लाएं
देश में और दुनिया में अपने, शिवहर की पहचान बनाएं

चापाकल के चारों ओर
सीमेंट का पक्का चबूतरा हो
दूर हो शौचालय की टंकी
पास में पानी नहीं भरा हो

जमा हुए गंदे पानी को, सोख्ता गड्ढे में ले जाएं
देश में और दुनिया में अपने, शिवहर की पहचान बनाएं

पानी लाने के बर्तन को
समय–समय पर साफ कराना
नल से या फिर चापाकल से
पानी भी ढककर के लाना

हाथों में रहते कीटाणु, अंगुली पानी में न डुबाएं
देश में और दुनिया में अपने, शिवहर की पहचान बनाएं

ऊंची साफ जगह में रखें,
साफ हों सब पानी के बर्तन
पानी में कुछ गिर न जाए
ऊपर से रखा हो ढक्कन

या तो नल हो बर्तन में, या टिसनी इस्तेमाल में लाएं
देश में और दुनिया में अपने, शिवहर की पहचान बनाएं

बच्चों और बड़ों के मल में
रोगाणु पाए जाते हैं
मिट्टी–पानी–हवा से होकर
मुंह के अन्दर आ जाते हैं

पैखाने के रोगाणु को, देह के अन्दर न ले जाएं
देश में और दुनिया में अपने, शिवहर की पहचान बनाएं

जब भी जाना हो पैखाना
शौचालय को ही अपनाना
और घर के बच्चों का मल भी
शौचालय में डाल के आना

बच्चे–बूढ़े, और जवान सब, घर के शौचालय में जाएं
देश में और दुनिया में अपने, शिवहर की पहचान बनाएं

साफ दीखते हाथों में भी
कीटाणु पाए जाते हैं
पानी संग साबुन हो तब ही
हाथ अच्छे से धुल पाते हैं

हाथ धोने की सब जगहों पर साबुन की टिकिया रखवाएं
देश में और दुनिया में अपने, शिवहर की पहचान बनाएं

बनाना–परोसना या कुछ खाना
या फिर बच्चे को कुछ भी खिलाना
खुद शौच करना, बच्चे को धुलाना
जानवर या गोबर को छूकर के आना

हाथ धोएं साबुन–पानी से, और बच्चों के भी धुलवाएं
देश में और दुनिया में अपने, शिवहर की पहचान बनाएं

साफ हाथ हों, साफ हो जल, और शौचालय

स्कूल थीम सॉन्ग के बोल

स्वस्थ रहें सारे विद्यार्थी, स्वच्छ रहे अपना विद्यालय
वाटसन कमिटी सक्रिय हो तो बीमारी का नहीं रहे भय
गंदा पानी गड्ढे में और कूड़ा कूड़ेदान में हो
मिले साफ पीने का पानी साफ रहें सारे शौचालय

छोटे बच्चों और समुदाय को जाकर ये बातें समझाएं
देश में और दुनिया में अपने शिवहर की पहचान बनाएं

धुले हों कपड़े, नाखूनों को बढ़ने न दें
बाल में कंघी, दांत में मंजन, रोज नहाएं
शौच के पहले और खाने के बाद में सब ही
साबुन– पानी से हाथों को धोकर आएं

राजा बेटा– रानी बिटिया बनकर सब स्कूल में आएं
देश में और दुनिया में अपने शिवहर की पहचान बनाएं

अंगों को रखना साफ और सूखा,रोज नहाना
मासिकधर्म में साफ–सफाई रखना पूरी
साफ और नए पैड का इस्तेमाल ही करना
छः घंटे पर पैड बदलना बहुत जरूरी

स्वस्थ रहें सारी किशोरियाँ और गांव की सब महिलाएं
देश में और दुनिया में अपने शिवहर की पहचान बनाएं

जब भी शौच को जाना, शौचालय में जाना
जाना चप्पल पहन के, पानी डाल के आना
आकर साबुन–पानी से हाथों को धोना
छोटे बच्चों को भी सब बातें बतलाना

घर हो या स्कूल हमेशा, साफ–सफाई ही अपनाएं
देश में और दुनिया में अपने शिवहर की पहचान बनाएं

water for people
INDIA

ONE DROP